पहली कलम से महिलाओं को ₹21,00 प्रतिमाह देंगे: बड़ौली

सुशील भार्गव | चंडीगढ़

आपने चुनाव नहीं लड़ा, क्या मेहनत काम आई

हाईकमान ने चुनाव न लड़कर सभी 90 सीटों के लिए प्रचार का जिम्मा सौंपा था। जैसे बिना पर्ची, खर्ची के लोगों को नौकरियां मिली हैं, उसका असर चुनाव में दिखा है। भाजपा की सरकार साफ छवि की रही और जनता ने सत्ता में लाने का काम किया है।

प्रदेश में भाजपा ने सत्ता की हैट्रिक लगाई है। भाजपा की सरकार बनते ही

पहला काम 24 हजार युवाओं को नौकरी दी जाएगी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग इसके लिए पहले से तैयारी किए बैठा है। साथ ही महिलाओं को 21,00 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। यह दावा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने किया है।

भाजपा की जीत पर दैनिक भास्कर ने उनसे विशेष बातचीत की। उन्होंने दावा किया कि नायब सिंह सैनी लगातार दूसरी बार प्रदेश के सीएम बनेंगे। इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही ऐलान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि विस चुनाव में भाजपा की जीत का रोडमैप पार्टी के इन कामों से तैयार हुआ। भाजपा ने सभी इलाकों का समान रूप से विकास किया है। 10 साल तक जनता की सेवा है। जनता ने गुमराह करने वाले दलों को नकार दिया और भाजपा को तीसरी बार सत्ता की चाबी सौंपी है। माहन लाल बड़ौली ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि नायब सैनी ने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही सबसे पहला कार्य 24 हजार युवाओं को नौकरी मिलेगी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग तैयारी में जुटा है। महिलाओं को 2100 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। प्रदेश के विकास की क्या योजना के बारे में भी बताया। कहा, चुनाव आचार संहिता के कारण कई कार्य रुक गए थे, अब 100 दिन का रोडमैप तैयार होगा। इसमें सबसे पहले वे काम होंगे, जिनकी तुरंत जरूरत है। इतनी सीटें जीतने पर कहा कि बिल्कुल हमने चुनाव के अगले दिन ही प्रेस कांफ्रेंस कर बता दिया था कि भाजपा सत्ता में आ रही है। यह जनता पर हमारा विश्वास है। जनता ने झूठे वायदे करने वालों को नकार दिया है। सभी ने जीतोड़ मेहनत की है व इसके बदले में जनता ने तीसरी बार भाजपा पर भरोसा जताया है। पार्टी के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों का आभार। पार्टी ने सभी सीटों पर पूरा फोकस किया था। हर सीट की रोजाना की रिपोर्ट ली जा रही थी। पार्टी का हर कार्यकर्ता पूरी तैयारी के साथ चुनावी मैदान में था। अभी से विपक्षी दल नौकरियां बांटने की बात करने लगे थे। जनता ने इसका जवाब वोट के जरिए दिया है।